शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

संपादकः संजय बघेल

सिवनी

सोमवार 2 फरवरी 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in • वर्ष : 10 • अंक : 280 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

बजट 2026: ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा बजट 15% बढ़ा: इनकम टैक्स में बदलाव नहीं

17 कैंसर मेडिसिन ड्यूटी फ्री, 3 आयुर्वेदिक एम्स; 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को बजट पेश कर दिया। वे संसद में 85 मिनट बोलीं, लेकिन आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान नहीं किया। हालांकि टैक्स फाइल करने में सहूलियत, रेलवे प्रोजेक्ट और 3 नए आयुर्वेदिक एम्स जैसी नई बातें कही हैं। बजट भाषण में कोई सीधा चुनावी ऐलान भी नहीं हुआ। सीतारमण लोकसभा में तमिलनाडु की प्रसिद्ध कांजीवरम साड़ी पहनकर पहुंचीं जरूर, लेकिन इसी साल होने वाले पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी चुनाव पर सीधा असर डालने वाली घोषणाएं नहीं कीं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में वित्त मंत्री ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल डिफेंस बजट में 15.2% की बढ़ोतरी हुई है। डिफेंस बजट की खास बात यह है कि हथियार खरीदी और सेना के आधुनिकीकरण पर पिछले साल के 1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस बार 2.19 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह पूंजीगत खर्च में सीधे 22% की बढ़ोतरी है।

बजट 2026 स्पीच टाइम

लोकसभा में सीतारमण की तरफ से पूरा बजट भाषण पढ़ने के कुछ देर बाद बजट को राज्यसभा के पटल पर रखा गया। संसद का मौजूदा बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू हुआ है। इसका पहला चरण 13 फरवरी तक चलेगा। उसके बाद नौ मार्च से दूसरे चरण की बैठक शुरू होगी। तय कार्यक्रम के अनुसार बजट सत्र दो अप्रैल को समाप्त होगा।

सरकार की कमाई, कर्ज और घाटे का पूरा हिसाब

कुल कर्ज को GDP के 50% तक लाने का टारगेट सरकार ने लक्ष्य रखा है कि 2030-31 तक देश का कुल कर्ज, जीडीपी के 50% (±1) के बराबर लाया जाए। 2025-26 में यह कर्ज 56.1% था, जो अब 2026-27 में घटकर 55.6% रहने का अनुमान है। यह कर्ज कम होगा तो सरकार को ब्याज कम देना पड़ेगा, जिससे वो पैसा स्कूल, अस्पताल और सड़कों पर खर्च हो सकेगा।

राजकोषीय घाटा GDP के 4.5% से नीचे आया राजकोषीय घाटा मतलब सरकार की कमाई और खर्च के बीच का अंतर। सरकार ने कहा है कि वह घाटे को जीडीपी के 4.5% से नीचे ले आई है। 2025-26 में यह घाटा 4.4% रहा, और अगले साल (2026-27) के लिए इसे और घटाकर 4.3% करने का लक्ष्य है। पिछले साल कमाई 34 लाख करोड़, खर्च 49.6 लाख करोड़ सरकार की कुल कमाई 34 लाख करोड़ रही। इसमें से 26.7 लाख करोड़ टैक्स से आए। वहीं कुल खर्च 49.6 लाख करोड़ रहा।

फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने रविवार 1 फरवरी 2026 को आम बजट 2026-27 पेश कर दिया है। 'युवा शक्ति' से प्रेरित बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं की गई हैं। वित्त मंत्री ने सात रणनीतिक सेक्टर्स में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने का प्रस्ताव किया है। कर्तव्य भवन में तैयार पहला बजट तीन कर्तव्यों से प्रेरित है। सेमीकंडक्टर्स से लेकर बायोफार्मा, टेक्सटाइल, MSME और अर्बन इकनॉमिक क्लस्टर्स पर सरकार का फोकस होगा। बजट 2026 में महिलाओं और किसानों के लिए भी कई घोषणाएं की गई हैं। लखपति दीदी प्रोग्राम का दायरा बढ़ाया गया है। साथ ही, किसानों की आमदनी बढ़ाने पर सरकार का जोर होगा। बजट 2026 में नौकरीपेशा वर्ग का भी ध्यान रखा गया है। SMEs की ग्रोथ को सपोर्ट करने के लिए 10000 करोड़ रुपये के डेडिकेटेड फंड की घोषणा की गई है।

बजट की 8 सबसे बड़ी घोषणाएं...

- इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं। रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने का ज्यादा समय दिया। यानी अब 31 दिसंबर के बदले 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं।
- कैंसर की 17 दवाओं पर से आयात शुल्क हटाया। अभी 5% शुल्क लगता था। हीमोफीलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां भी ड्यूटी फ्री।
- डिफेंस बजट ₹6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर ₹7.85 लाख करोड़, यानी 15.2% की बढ़ोतरी। हथियार खरीदी और आधुनिकीकरण पर पिछले साल के ₹1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल ₹2.19 लाख करोड़ खर्च होंगे, यानी 22% की बढ़ोतरी।
- 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा। इनमें मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलिगुड़ी।
- 3 आयुर्वेदिक एम्स खोले जाने की घोषणा। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाने के लिए 5 मेडिकल हब भी बनेंगे।
- 5 लाख से ज्यादा आबादी वाले टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास के लिए ₹12.2 लाख करोड़ खर्च करने का ऐलान।
- 15 हजार सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब स बनाई जाएंगी।
- करीब 800 जिलों में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनेंगे। हर जिले में एक हॉस्टल बनाया जाएगा।

अब बजट को सेक्टर वाइज समझिए

- **1. इनकम टैक्स :** स्लैब में बदलाव नहीं, रिटर्न फाइलिंग के लिए 3 महीने एक्स्ट्रा इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं। रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने का ज्यादा समय दिया। यानी अब 31 दिसंबर के बदले 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं। न्यू इनकम टैक्स एक्ट 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। फॉर्म रीडिजाइन किए गए हैं, ताकि आम लोग उसे आसानी से भर सकें।
- **2. रक्षा बजट :** ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में सीतारमण ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट ₹6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर ₹7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल डिफेंस बजट में 15.2% की बढ़ोतरी हुई है। डिफेंस बजट की खास बात यह है कि इसमें हथियार खरीदी और आधुनिकीकरण पर पिछले साल के ₹1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल ₹2.19 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह पूंजीगत खर्च में सीधी 22% की बढ़ोतरी है। विमान और एयरो इंजन डेवलपमेंट के लिए 64 हजार करोड़ और नौसेना बेड़े के लिए 25 हजार करोड़ रुपए दिए गए हैं। पेंशन के लिए 1.71 लाख करोड़ अलग रखे गए हैं।
- **3. स्वास्थ्य :** कैंसर की दवाओं से कस्टम ड्यूटी हटेगी, इलाज सस्ता होगा कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 17 दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी हटा दी गई है। ये एडवांस कैंसर की इंपोर्ट होने वाली दवाएं हैं। अभी 5% कस्टम ड्यूटी लगती थी। हीमोफिलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां भी ड्यूटी फ्री कर दी गई हैं।
- **4. आयुर्वेद :** भारत को ग्लोबल बायो फार्मा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की तैयारी बजट में 3 आयुर्वेदिक एम्स बनाने का ऐलान किया गया है। आयुर्वेदिक दवाइयों की टेस्टिंग के नेशनल लैब्स बनाई जाएंगी। भारत को ग्लोबल लेवल पर बायोफार्मा प्रोडक्ट के उत्पादन का हब बनाया जाएगा। अगले पांच साल में एक लाख स्पेशलिस्ट हेल्थकेयर प्रोफेशनल तैयार होंगे। इसके लिए 10,000 करोड़ के निवेश करने की बात कही गई है।
- **5. गर्ल्स एजुकेशन :** 789 जिलों में गर्ल्स हॉस्टल, हर जिले में एक हॉस्टल देश में 789 जिले हैं। हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाने का ऐलान किया गया है। गर्ल स्टूडेंट्स के लिए STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा को विशेष प्राथमिकता देने की बात कही गई है।
- **6. महिलाएं :** लखपति दीदी मॉडल पर रोजगार और आय बढ़ाने की स्कीम लखपति दीदी की तर्ज पर महिला स्वयं सहायता समूह की उद्यमी महिलाओं के लिए स्॥श्व-मार्ट (शी-मार्ट) बनाए जाएंगे। इन दुकानों को महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के समुदाय ही चलाएंगे। यहां महिलाओं के बनाए खाद्य पदार्थ, हस्तशिल्प, कपड़े और स्थानीय उत्पाद सीधे बेचे जाएंगे। इससे बिचौलियों की भूमिका कम होगी और महिलाओं को अपने कारोबार पर मालिकाना हक मिलेगा।
- **7. रेल-जलमार्ग और ग्रीन ट्रांसपोर्ट सेक्टर :** 7 नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे शहरों के बीच 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाएंगे। ये मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-चेन्नई, हैदराबाद-बेंगलुरु, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी के बीच बनेंगे। अगले 5 साल में 20 नए राष्ट्रीय जलमार्ग बनेंगे। बनारस और पटना में जहाज मरम्मत सुविधाएं विकसित की जाएंगी।
- **8. ग्रीन एनर्जी :** बैटरी बनाने की मशीनों पर टैक्स छूट बढ़ी सरकार ने लिथियम-आयन बैटरी बनाने वाली मशीनों पर टैक्स छूट का दायरा बढ़ा दिया है। अब बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए इस्तेमाल होने वाले सामान पर भी ड्यूटी नहीं लगेगी। इससे इलेक्ट्रिक व्हीकल सस्ते होंगे। वहीं, सोलर ग्लास बनाने में इस्तेमाल होने वाले 'सोडियम एंटीमोनेट' पर भी ड्यूटी हटा दी गई है, जिससे देश में सोलर पैनल बनाना सस्ता होगा।
- **9. खनिज :** रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाया जाएगा केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में दुर्लभ खनिजों के लिए विशेष कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इसमें आंध्र प्रदेश को भी जोड़ा जाएगा ताकि खनिज संपन्न राज्यों को फायदा मिले। रेयर अर्थ मटेरियल का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक गाड़ियों की मोटर बनाने में इस्तेमाल किया जाता है।
- **10. खेती और पशु-मछली पालन :** आय और रोजगार के मौके बढ़ाने पर फोकस नारियल प्रोत्साहन योजना से करीब 3 करोड़ लोगों को जोड़ा जाएगा। मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए 500 तालाबों और अमृत सरोवरों का विकास किया जाएगा। पशुपालन के क्षेत्र में नए व्यवसायों को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि ज्यादा लोगों के लिए नौकरी और रोजगार के अवसर बनें। राज्यों के साथ मिलकर भारतीय चंदन उद्योग तंत्र को फिर से स्थापित किया जाएगा। काजू-कोको को 2030 तक दुनिया में पहचान दिलाने का टारगेट है।

गंभीर संकटों को किया नजर अंदाजः मल्लिकार्जुन खरगे

केंद्रीय बजट को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, 'मोदी सरकार के पास अब कोई नए विचार नहीं बचे हैं। यह बजट भारत की बड़ी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों के संदर्भ में जितने जवाब देता है, उससे कहीं ज्यादा सवाल खड़े कर देता है। इसमें गरीबों के लिए कुछ भी नहीं है। महंगाई पर नियंत्रण के लिए न तो कोई समाधान दिया गया है।

केंद्रीय बजट से ममता बनर्जी निराश

केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी निराशा जाहिर की है। उन्होंने केंद्र सरकार के ऊपर घोषणा के बाद फंड जारी न करने का आरोप लगाया। केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा एक हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बंगाल को मिलने के फैसले को सरकार का झूठ बताया। उन्होंने कहा, 'तीन कॉरिडोर की घोषणा की है, जबकि हम पहले ही छह की घोषणा कर चुके हैं।

बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर जोरः पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट को ऐतिहासिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि आज का भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है। पीएम मोदी ने भारत के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के सपने का जिक्र करते हुए कहा कि देश के 1.4 अरब नागरिक अब सिर्फ तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था से संतुष्ट नहीं है। वह जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं।

असली संकटों से अनजान बजटः राहुल गांधी

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आम बजट को लेकर अपनी निराशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह बजट भारत के असली संकटों के प्रति पूरी तरह से अंधा है। सोशल मीडिया साइट पर किए अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'युवाओं के पास नौकरियां नहीं है। मैन्यूफैक्चरिंग में गिरावट है, निवेशक देश से पूंजी निकाल रहे हैं। घरेलू बचत तेजी से घट रही है। किसान संकट में हैं।

मोदी बोले- ये युवा शक्ति का बजट : राहुल ने कहा- युवाओं को कुछ नहीं मिला

ममता बनर्जी ने बिखरा हुआ बजट बताया

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

पीएम मोदी ने आम बजट को युवाओं को बजट बताया है। कहा कि देश में रिफॉर्म एक्सप्रेस चल पड़ी है। ये स्किल, स्केल और सस्टेनेबिलिटी को मजबूत करने का प्रयास है। सबसे बड़ी पूंजी नागरिक, इसी में निवेश किया।

उधर विपक्ष ने बजट को निराशाजनक बताया। राहुल गांधी ने कहा, युवाओं के लिए रोजगार वाला बजट नहीं है। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर गिर रहा है। निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं। घरेलू बचत में भारी गिरावट आ रही है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि यह बेहद ही बिखरा बजट है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने आम जनता को कुछ नहीं दिया।

मोदी के स्पीच की बड़ी बातें, कहा- यह युवा शक्ति बजट

हम तेजी से बढती अर्थव्यवस्था बनकर ही संतुष्ट नहीं है। बल्कि जल्द से जल्द तीसरी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है। भारत जिस रिफॉर्म्स पर सवार है, बजट से उसे नई गति मिलेगी।

सनराइज सेक्टर को जिस मजबूती के साथ महत्व दिया है वह अहम है। रेयर अर्थ कॉरिडोर, क्रिटिकल मिनिरल्स पर बल, टैक्सटाइल, हाईटेक टूल मैनुफैक्चरिंग जैसी चीजें भविष्य और वर्तमान की जरूरतों का ध्यान रखती हैं। बजट में इंफ्रा को मजबूत करने के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं। हाई स्पीड रेल कॉरिडोर टियर टू और थ्री शहरों के विकास पर ध्यान ये सारे कदम विकसित भारत की यात्रा की गति को और तेज करेंगे। किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी नागरिक हैं।

ईवी, सोलर पैनल के दाम घटेंगे; शराब महंगी हो सकती है, ट्रेडिंग पर टैक्स बढ़ा

बजट 2026: सस्ता-महंगा- कैंसर की 17 दवाएं सस्ती

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

बजट में अब बस इम्पोर्ट ड्यूटी के घटने-बढ़ने से सामानों के दाम थोड़े बहुत ऊपर-नीचे होते हैं। ज्यादातर चीजों के दाम जीएसटी काउंसिल तय करती है।

समझते हैं इस बजट से क्या सस्ता हुआ और क्या महंगा...

1. कैंसर की दवाइयां सस्तीः 17 लाइफ सेविंग ड्रग्स पर कस्टम ड्यूटी खत्म

सरकार ने कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 17 दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी हटा दी है। इसके अलावा, 7 दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए बाहर से मंगवाई जाने वाली दवाओं और स्पेशल फूड पर भी अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। इससे उन परिवारों को बड़ी आर्थिक मदद मिलेगी जो इलाज के लिए महंगी विदेशी दवाओं पर निर्भर हैं।

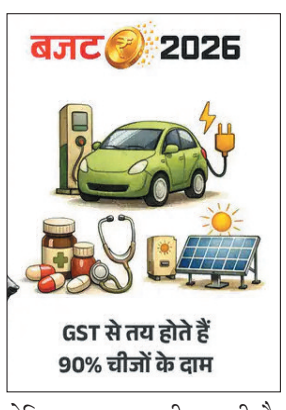

2.माइक्रोवेव ओवन सस्तेः पुर्जों पर ड्यूटी घटी, घरेलू मैन्युफैक्चरिंग बढ़ेगी

घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में कुछ अहम बदलाव किए हैं। अब माइक्रोवेव ओवन बनाने में इस्तेमाल होने वाले खास पार्ट्स पर कस्टम ड्यूटी कम कर दी गई है। इससे आने वाले दिनों में माइक्रोवेव की कीमतों में कमी आ सकती है। सरकार का लक्ष्य है कि भारत कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के मामले में दुनिया का हब बने।

3. ईवी बैटरी और सोलर पैनल सस्तेः इसे बनाने का कच्चा माल हुआ टैक्स फ्री

एनर्जी ट्रांजैक्शन को देखते हुए सरकार ने लिथियम-आयन बैटरी बनाने वाली मशीनों पर मिलने वाली टैक्स छूट का दायरा बढ़ा दिया है। अब बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए इस्तेमाल होने वाले सामान पर भी ड्यूटी नहीं लगेगी। वहीं, सोलर ग्लास बनाने में इस्तेमाल होने वाले 'सोडियम एंटीमोनेट' पर भी ड्यूटी हटा दी गई है, जिससे देश में सोलर पैनल बनाना सस्ता होगा।

महंगा

शराब पर टीसीएस को 1% से बढ़ाकर 2% कर दिया गया है। इससे शराब की कीमतें बढ़ सकती है, क्योंकि इससे दुकानदार के मुनाफे पर असर होगा।

फ्यूचर ट्रेडिंग पर लगने वाले सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स को 0.02% से बढ़ाकर 0.05% और ऑप्शंस 0.15% किया गया है। टीसीएस का मतलब है 'सोर्स पर टैक्स कलेक्शन'। यह एक तरह का एडवांस इनकम टैक्स है। दुकानदार जो 2% टैक्स अभी सरकार को देगा, उसे वह साल के आखिर में अपना इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) भरते समय एडजस्ट कर सकता है।

सकारात्मकता को चुनते हैं देश और दुनिया के युवा लीडर्स

जीवन के और हमारे मन के भी दो पहलू होते हैं। हम या तो सकारात्मक होते हैं या नकारात्मक। यदि हम सकारात्मक होना चुनते हैं, तो यह आशा और आत्मविश्वास जगाता है। हम खुद पर भरोसा करना सीख लेते हैं। हम स्वप्रेरित होते हैं और दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन जाते हैं। देश और दुनिया के युवा लीडर्स इन्हीं बातों पर जोर देते हैं।

जानी-मानी फैशन स्टाइलिस्ट हैं अमी पटेल। वे काजोल, लारा दत्ता, आलिया भट्ट, अक्षय कुमार और ऐसे ही कई दिग्गज बॉलीवुड स्टार्स के फैशन, उनके स्टाइल को मेंटेन रखने का काम करती हैं। उनके मुताबिक, स्टाइल फीका है यदि आपकी बॉडी लैंग्वेज, आपका चेहरा साथ नहीं दे रहा। यदि आप खुद अव्यवस्थित या कंफ्यूज रहते हैं, तो फैशन से इसे बदलना मुश्किल है। विचार आपका आईना हैं, यह ध्यान रखें। फिर आप जो भी पहनेंगे, लोग देखते रह जाएंगे। अमी खुद एक मेडिटेशन टीचर भी हैं और सोच को सकारात्मक बनाए रखने के लिए इसे बहुत जरूरी मानती हैं। उनके मुताबिक, हमें वह सब करना चाहिए, जिसकी वजह से हमारी सकारात्मक सोच को बनाए रखने में मदद मिल सके।

सीखने की ललक

जस्ट डायल के सीईओ वीएसएस मणि की सक्सेस स्टोरी भी कुछ इसी तरह की है। इसका सार यह है कि यदि आप विपरीत परिस्थिति में भी अपनी सोच को सकारात्मक बनाए रखने में सक्षम होते हैं, तो आपकी मंजिल ज्यादा दूर नहीं। वे कहते हैं, जब मैंने इस बिजनेस आइडिया के बारे में सोचा था, तो भारत में इंटरनेट का इतना प्रभाव नहीं था। एक तो मुश्किल आइडिया, उस पर घर की माली हालत खराब। काम शुरू करना है, तो पैसा चाहिए ही, सो मैंने दूसरे कामों के साथ जुड़कर घर की जिम्मेदारी भी संभाली और अपने बिजनेस आइडिया पर भी चुपचाप काम करता रहा। मणि आज भी अपने बिजनेस को 20 साल पुराना स्टार्ट-अप ही कहते हैं। उनके अनुसार, इससे सीखने की ललक बनी रहती है। जब तक यह इच्छा रहेगी, आपकी सोच भी सकारात्मक रहेगी। सकारात्मक लोग हमेशा कुछ-न-कुछ करते-सीखते रहते हैं।

समस्याओं से न भागें

मुझसे लोग हमेशा पूछते हैं कि आप तमाम जिम्मेदारियों से उपजे स्ट्रेस के बीच कुंठित क्यों नहीं होते, गुस्सा क्यों नहीं आता? मेरा जवाब होता है, आप इसके अलावा यह भी तो कह सकते हैं कि आप कितने पॉजिटिव हैं! यह कहना है ब्रैंडन वैलेस का। वे अमेरिकी सरकार में पॉलिसी एडवाइजर के तौर पर कार्यरत हैं। अपनी सरकारी जिम्मेदारियों के अलावा, वे युवाओं से जुड़े मसलों पर भी सक्रिय हैं। खास तौर पर इस दिशा में कि युवाओं को शांति और सामाजिक बदलाव में योगदान देने के लिए कैसे प्रेरित किया जाए। वे कहते हैं, कोई समस्या आपके सामने आती है, तो दो ही विकल्प होते हैं आपके पास। या तो आप समस्याओं से जूझें, दुख-दर्द का अनुभव करें या फिर इन सबका पूर्वानुमान लगाकर पलायन कर जाएं। मैं दर्द लेता हूं क्योंकि यह हमें अंततः स्थिर करता है। हममें ठहराव लाता है और इस ठहराव का चयन हमेशा सकारात्मक मिजाज का व्यक्ति ही कर सकता है।

फोकस खुद पर

जिनकी सोच सकारात्मक होती है, वे हमेशा अपनी गलतियों की तरफ देखते हैं। उनमें सुधार के बारे में चिंतन करते हैं। वे रुकी हुई घड़ी को भी देखकर यह कहना जानते हैं कि देखो, यह घड़ी नहीं चल रही लेकिन यह रोज दो बार सही वक्त बता पाने में सक्षम है। ब्रिटेन की अभिनेत्री फागुन ठकरार बचपन से अभिनेत्री बनना चाहती थीं, पर उनके पैरेंट्स की इच्छा थी कि वे डॉक्टर बनें। वे डॉक्टर बनीं भी, मगर बाद में कड़ी मेहनत करते हुए उन्होंने अपना सपना भी पूरा किया। आज वे डॉक्टर ही नहीं, एक्टर, डायरेक्टर, राइटर और फैशन डिजाइनर भी हैं। बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी फागुन कहती हैं, मैं इस बात की परवाह नहीं करती कि लोग क्या सोचेंगे। मैं हमेशा इसका ध्यान रखती हूं कि मैं अपना बेस्ट दे सकूं। अपने काम के दौरान मैंने बहुत सारी मुश्किलें झेली हैं। लीक से हटकर सोचना और करना आसान नहीं, लेकिन मेरे पास जादू की छड़ी है और वह है सकारात्मक सोच।

इंटीरियर डिजाइनिंग
प्रोफेशनल्स की बढ़ रही है मांग

इंटीरियर डिजाइनिंग के तहत घर, ऑफिस, होटल, शॉप, मॉल आदि की आंतरिक सुरुचिपूर्ण साज-सज्जा की जाती है। अपने घर को साफ-सुथरा रखने के साथ-साथ हर कोई उसे यथासंभव सजाकर भी रखना चाहता है। यही कारण है कि इंटीरियर डिजाइनिंग की मांग बढ़ रही है और इसका दायरा महानगरों से बढ़कर नगरों और कस्बों तक पहुंच चुका है। लोग न सिर्फ होटल, बिल्डिंग, दफ्तर, शोरूम और दुकानों की अंदरूनी सजावट कराना पसंद करते हैं, बल्कि घरों को भी अंदर से सजाने की खास ललक देखी जा रही है। यही कारण है कि इंटीरियर डेकोरेशन के लिए प्रशिक्षित इंटीरियर डिजाइनर्स की सेवाएं लेना आजकल आम बनता जा रहा है। यहां तक कि मेलों, प्रदर्शनियों, सामाजिक समारोहों के अलावा निजी समारोहों को सजाने के लिए भी ऐसे प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ रही है। इस फील्ड में स्वरोजगार के लिए भी अनेक संभावनाएं मौजूद हैं।

संभावनाएं

इंटीरियर डिजाइनिंग से जुड़े प्रोफेशनल्स कंस्ट्रक्शन कंपनियों, आर्किटेक्चर फर्मों, प्रोडक्शन हाउस, मॉल, मल्टीप्लेक्स, थिएटर और इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों में काम करने के अलावा खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं। दिनो-दिन बदलती जीवनशैली और मॉडर्न होते समाज के बीच इंटीरियर डिजाइनर्स के लिए जॉब के अवसर आने वाले वर्षों में भी रहेंगे क्योंकि रियल एस्टेट सेक्टर आज भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले 15 टॉप सेक्टर्स में शुमार है। देश में 100 स्मार्ट सिटी के निर्माण, वर्ष 2025 तक सभी के लिए लो-बजट मकानों का निर्माण और मेक इन इंडिया जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा से निर्माण क्षेत्र में और भी बूम आने का अनुमान है। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) के अनुसार, वर्ष 2025 तक कंस्ट्रक्शन और रियल एस्टेट सेक्टर में युवाओं के लिए करीब 7 करोड़ जॉब के अवसर पैदा होंगे। ऐसे में इंटीरियर डिजाइनर्स को भी जॉब के ढेर सारे मौके मिलेंगे।

क्या है कार्य?

इंटीरियर डिजाइनिंग के अंतर्गत किसी भी भवन के अंदरूनी हिस्सों की सजावट की जाती है। किसी भी ऑफिस, घर, मॉल, रेस्तरां या कमर्शियल कॉम्प्लेक्स को अच्छे तरीके से डिजाइन करने का काम इंटीरियर डिजाइनर ही करते हैं। चूंकि आज के समय में एक सीमित जगह के बीच लोग सब कुछ अरेंज करना चाहते हैं, अपने इंटीरियर स्पेस को आकर्षक लुक देना चाहते हैं, ऐसे में डिजाइनर्स की प्राथमिकता यही होती है कि कैसे किसी होटल, रेस्तरां, शोरूम या दफ्तर को आकर्षक लुक दिया जाए। इसके लिए ऐसे प्रोफेशनल्स में प्लानिंग, डेकोरेशन, रेनोवेशन जैसी कला की अच्छी समझ होती है। आजकल इमारत के बाहरी हिस्सों को आकर्षक लुक देने की जिम्मेदारी भी यही प्रोफेशनल निभा रहे हैं, हालांकि वे लैंडस्केप डिजाइनर कहलाते हैं।

पर्सनल स्किल

चूंकि इंटीरियर डिजाइनिंग का क्षेत्र क्रिएटिविटी से ही जुड़ा है, इसलिए यहां कलात्मकता, रचनात्मकता, प्रबंधकीय दक्षता और नई-नई सोच रखने वाले लोगों की बहुत डिमांड है। इस क्षेत्र में आने के लिए तार्किक बुद्धि और कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छी होनी चाहिए, क्योंकि इंटीरियर डिजाइनर को अक्सर अपनी प्लानिंग और हुनर को क्लाइंट के सामने प्रस्तुत भी करना होता है। टीम भावना भी इस फील्ड के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि डिजाइनर्स को बिल्डर्स, आर्किटेक्ट, कॉन्ट्रैक्टर्स, प्लंबर, कारपेंटर, इलेक्ट्रिशियन आदि के साथ सामंजस्य बिठाकर काम करना होता है। कुशल प्रोफेशनल बनने के लिए बदलते ट्रैंड के अनुसार काम में बदलाव भी लाते रहना जरूरी होता है।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

इंटीरियर डिजाइनर्स की डिमांड इतनी है कि देश भर में अनेक सरकारी और निजी संस्थानों में इसके डिग्री, पीजी डिप्लोमा और डिप्लोमा कोर्स संचालित हो रहे हैं। मैनेजमेंट एंड डिजाइन एकेडमी, दिल्ली के डायरेक्टर रोहित माथुर के अनुसार, आप 12वीं के बाद इस तरह का कोर्स कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश एंट्रेंस एग्जाम के जरिए मिलता है। इंटीरियर डिजाइनिंग अपने आप में एक स्पेशलाइज्ड कोर्स है, जिसमें बिल्डिंग की आंतरिक और बाहरी साज-सज्जा, प्लानिंग और बनावट के हिसाब से बेहतर लुक देने के बारे में युवाओं को सिखाया जाता है। मगर आप चाहें, तो ऑफिस डिजाइनिंग, बिजनेस डिजाइनिंग, रूम डिजाइनिंग, किचन डिजाइनिंग या होम डेकोर में भी विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं।

सरकारी और निजी संस्थानों में कई तरह के कोर्स हैं, जैसे- बैचलर इन इंटीरियर डिजाइन, ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फर्नीचर एंड इंटीरियर, बीए ऑनर्स इंटीरियर आर्किटेक्ट एंड डिजाइन, ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इंटीरियर स्पेस एंड फर्नीचर डिजाइन, बीएससी इन इंटीरियर डिजाइनिंग, अंडर ग्रेजुएट प्रोफेशनल डिप्लोमा प्रोग्राम, एडवांस डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन, डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन आदि। कुछ पाठ्यक्रमों की अवधि 1 साल, तो कुछ की 3 साल या उससे अधिक भी है। कोर्स के दौरान प्रेक्टिकल पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है।

सैलरी पैकेज

इंटीरियर डिजाइनिंग का कोर्स पूरा करने के बाद युवाओं को किसी अनुभवी प्रोफेशनल के साथ कुछ महीनों तकप्रेक्टिस करके अनुभव हासिल करना चाहिए। शुरूआती दौर में फ्रेशर्स की सैलरी 15 हजार रुपए प्रति माह हो सकती है लेकिन कुछ वर्षों के अनुभव के बाद ऐसे प्रोफेशनल्स 50 हजार से 1 लाख रुपए प्रति माह तक कमा लेते हैं। खुद का काम करके भी प्रोफेशनल्स अच्छी कमाई कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- मैनेजमेंट एंड डिजाइन अकेडमी, नई दिल्ली
- दिल्ली स्कूल ऑफ डिजाइन, दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीरियर एंड फैशन टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर

प्रोफेशनल लाइफ में बनना है कॉन्फिडेंट तो अपनाएं ये टिप्स

हमारा आत्मविश्वास जीवन में एक अहम भूमिका निभाता है, फिर चाहे हमारा कार्यक्षेत्र कोई भी हो। जिन लोगों में आत्मविश्वास की कमी होती है, उन्हें अक्सर असफलता का सामना करना पड़ता है। इसके विपरीत आत्मविश्वास से भरे लोग जीवन के हर मोड़ पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त करते हैं। प्रोफेशनल लाइफ में भी आत्मविश्वास बहुत महत्वपूर्ण है तो आइए जानते हैं कि कैसे आत्मविश्वास को विकसित किया जाए।

- सबसे पहले तो आप अपना टारगेट बनाएं कि आपको क्या करना है। फिर उस टारगेट की ओर बढ़ना शुरू कर दें।
- आप देखें कि अभी तक आपने अपने जीवन में क्या पाया है और जो पाया है, उसे पाने के लिए आपने क्या प्रयास किए थे। एक डायरी में अपने अचीवमेंट लिख लीजिए।
- अपनी क्षमता का पता लगाइए। यह देखें कि आपके मित्र आपकी किस बात की तारीफ करते हैं। याद रखें, आपकी तारीफ जिस चीज को लेकर होती हो, वही आपकी ताकत हो सकती है।
- क्षमता पता चलने पर अपना टारगेट उसके अनुसार बनाएं। अपने दिमाग को सिर्फ अपने टारगेट पर फोकस करें। बार-बार उसी के बारे में सोचें।
- खुद से वादा करें कि आपने जो टारगेट बनाया है, आप उसमें सफल होकर रहेंगे।
- आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए अपने ज्ञान को बढ़ाना होगा। जब तक आपके पास ज्ञान नहीं है, आपका आत्मविश्वास बस एक दिखावा ही साबित होगा।
- अपने नकारात्मक पहलुओं को पहचानें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें। आपके मन में बस एक ही बात होनी चाहिए कि आप यह काम कर सकते हैं।
- अपने अंदर धैर्य विकसित करें। धैर्य न सिर्फ आपको तनाव से बचाता है, बल्कि यह आपका आत्मविश्वास भी बढ़ाता है।
- खुद की तुलना दूसरों से कभी न करें। आप जो भी हैं, जैसे हैं, बहुत अच्छे हैं। बस, खुद को आगे बढ़ाने वाले प्रयास में कभी ढील न दें।
- गलतियां इंसान से ही होती हैं, पर वे गलतियां बार-बार न हों, इसका खास खयाल रखें। गलतियां सुधारने से आपके व्यक्तित्व में कुछ जुड़ता है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है।

एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में खुलने लगे हैं नई संभावनाओं के द्वार

रोडीज और खतरों के खिलाड़ी जैसे शोज ने युवाओं को रोमांच के प्रति आकर्षित किया है। युवा इनमें अपना भविष्य देख रहे हैं। भारत में जैसे-जैसे लोगों की आय में वृद्धि हुई है, उनके घूमने-फिरने के शौक में भी बढ़ोतरी होती जा रही है। ऐसे में एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में करियर की कई नई संभावनाओं के द्वार खुलने लगे हैं।

वे दिन चले गए, जब पहाड़ों पर घूमने-फिरने के लिए गर्मी का इंतजार किया जाता था। अब तो पूरे साल पहाड़ों और दुर्गम जगहों पर जाया जा सकता है। इन्हीं पहाड़ों पर कभी बर्फ से भरे रास्तों पर ट्रेकिंग होती है, तो कभी उफनती नदी में राफ्टिंग या फिर साफ मौसम में पैराग्लाइडिंग। रोमांच और जुनून से भरे इन कारनामों को करने के लिए जितनी हिम्मत की जरूरत होती है, उससे कहीं ज्यादा लगन और मेहनत इन्हें सीखने में लगती है।

विदेशों में तो काफी युवा इस क्षेत्र में उतरते हैं, पर भारत में अभी इसे हॉट करियर ऑप्शन के तौर पर नहीं लिया जाता है। इस क्षेत्र में आने पर न केवल आपका घूमनेफिरने का शौक पूरा होगा, बल्कि बढ़िया सैलरी पैकेज भी मिलेगा। भारत में भी जैसे-जैसे लोगों की आय में वृद्धि हुई है, उनके घूमने-फिरने के शौक में भी बढ़ोतरी होती जा रही है। अब केवल अपर क्लास ही नहीं, मिडिल क्लास की बड़ी आबादी भी साल में एक-दो बार रमणीय स्थानों पर घूमने निकल ही जाती है। इन टूरिस्ट स्पॉट्स पर एडवेंचर स्पोर्ट्स का काम भी काफी फल-फूल रहा है। इसी वजह से भारत में पिछले कुछ वर्षों से एडवेंचर स्पोर्ट्स की मांग बहुत तेजी से बढ़ी है। इसके साथ-साथ युवाओं में इस क्षेत्र के प्रति रुझान भी उसी अनुपात में बढ़ा है।

क्या हैं संभावनाएं?

इस क्षेत्र में एडवेंचर स्पोर्ट्स एक्सपर्ट या एडवेंचर स्पोर्ट्स ट्रेनर के तौर पर काफी संभावनाएं हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत दुनिया में टूरिस्ट हब के तौर पर उभरा है। इसकी वजह है भारत का विकसित देशों के मुकाबले सस्ता होना और यहां मौजूद प्राकृतिक विविधता। इसके अलावा भारत धार्मिक और स्वास्थ्य पर्यटन के लिए भी पसंदीदा जगह बनता जा रहा है। स्वास्थ्य लाभ के साथ लोग मानसिक शांति तलाशने के लिए भी भारत का रुख करते हैं। यहां के छोटे शहरों में खुलते मॉल, आसानी से उपलब्ध चीजें, शांतिप्रिय वातावरण और पश्चिम से अलग संस्कृति व जीवनशैली भी विदेशियों को आकर्षित करती है। हर साल भारत में 50 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक आते हैं। केंद्र और राज्यों की सरकारें भी इस ओर खासा ध्यान दे रही हैं। स्पोर्ट्स एडवेंचर भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री का अहम हिस्सा बन गए हैं।

एडवेंचर स्पोर्ट्स में प्रशिक्षित व्यक्तियों के लिए कई क्षेत्रों में जाने के तमाम मौके होते हैं। इनके अलावा केंद्र और विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभागों में भी काम करने के अवसर मिलते हैं। ये संस्थान समय-समय पर अभियान आयोजित करते हैं। इनमें भी भाग लिया जा सकता है। भारत में कई निजी छोटी-बड़ी कंपनियां भी ऐसी हैं, जो एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में काम कर रही हैं। ये ट्रेकिंग अभियानों, जंगल सफारी, पर्वतारोहण अभियानों आदि के लिए साल भर प्रोग्राम आयोजित करती रहती हैं। अलग-अलग राज्यों में पर्यटन के लिए अलग-अलग समय मुफीद रहता है। इस वजह से साल भर काम मिलता रहता है। इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले लोग किसी हॉलीडे रिसोर्ट, कैंप, कमर्शियल रिक्रिएशन सेंटर, एथलेटिक क्लब आदि आदि से जुड़कर न सिर्फ इन स्पोर्ट्स का प्रचार कर सकते हैं, बल्कि लोगों को प्रशिक्षण देकर भी पैसे कमा सकते हैं।

काम आएंगीं ये बातें

एक प्रोफेशनल एडवेंचर स्पेशलिस्ट बनने के लिए सबसे पहले आपके भीतर इस क्षेत्र के प्रति लगाव होना जरूरी है। इसके अलावा आपके मन में नई जगहों पर जाने, नई चीजें एक्सप्लोर करने, सूझ-बूझ और सीखने-सिखाने में रुचि होना जरूरी है। किसी अच्छे संस्थान में ट्रेनिंग लेना भी जरूरी है। यह ऐसा क्षेत्र है, जिसमें निपुण न होने पर आप अपने प्रोफेशन और दूसरों के साथ अन्याय तो करेंगे ही, उनके लिए खतरा भी पैदा कर सकते हैं। एक अच्छे एडवेंचर स्पोर्ट्स ट्रेनर को इलाके की अच्छी भौगोलिक जानकारी होनी चाहिए। साथ ही उसमें वेदर ऑब्जरवेशन स्किल्स भी होनी चाहिए, ताकि किसी भी विपरीत मौसम के प्रति वह समय रहते सचेत हो जाए। इन सबके साथ ही उसमें लीडरशिप का गुण भी होना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर, किसी आपात स्थिति में रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी होना भी बेहद जरूरी है।

कहां जाएं, क्या करें?

इस कोर्स के लिए कम से कम 12वीं तक की पढ़ाई जरूरी है। आवेदक की उम्र 16 से 40 साल के बीच होनी चाहिए। वॉटर स्पोर्ट्स के लिए तैराकी आना जरूरी है। किसी एक विदेशी भाषा का ज्ञान भी जरूरी है क्योंकि इससे इस क्षेत्र में काफी फायदा होता है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, सोमवार 2 फरवरी 2026

बैतूल राष्ट्रबाण

● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

बैतूल में पशु से दुष्कर्म का वीडियो, भड़की हिंसा

आक्रोशित हिंदूवादी संगठनों ने दुकानें जलाईं, तोड़फोड़ की, पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल में पशु से दुष्कर्म का वीडियो सामने आने के बाद आक्रोशित हिंदूवादी संगठनों के लोगों ने दो दुकानें जला दीं। इनमें से एक आरोपी की दुकान है। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। घटना रविवार को दामजीपुरा की है। घटना के बाद से तनाव का माहौल है। गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार, वीडियो सामने आने के बाद सुबह 10 बजे से ही बवाल शुरू हो गया था। आक्रोशित भीड़ ने सबसे पहले आरोपी की दुकान में आग लगा दी। इसके बाद पास की एक अन्य दुकान में भी तोड़फोड़ कर आगजनी कर दी। घटना की खबर फैलते ही हिंदू संगठनों में गुस्सा भड़क उठा और आसपास के जिलों से भी लोग दामजीपुरा पहुंचने लगे। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन भी हरकत में आया। एसपी वीरेंद्र जैन और प्रभारी कलेक्टर अक्षत जैन भी मौके के लिए रवाना हुए हैं।

3 थानों का पुलिस बल मौके पर तैनात

हालात को काबू करने के लिए भैंसदेही, चिचोली और मोहदा थानों का पुलिस बल मौके पर भेजा गया है। पुलिस लाइन से वज्र वाहन और अतिरिक्त बल सुबह 11.45 बजे रवाना किया गया। दोपहर करीब 1.35 बजे पुलिस फोर्स गांव पहुंची। पुलिस ने मौके पर मौजूद भीड़ को हटने के लिए कहा और स्थिति को नियंत्रण में लेने की कोशिश की। फिलहाल इलाके में तनाव का माहौल है।

आरोपी की पहचान कर हिरासत में लिया

जानकारी के अनुसार, सुबह हिंदू संगठनों ने एसडीओपी को कॉल कर दुष्कर्म मामले में आवेदन देने की बात कही थी। मोहदा थाना प्रभारी ने कार्रवाई का आश्वासन दिया था। बाद में वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे हिरासत में लिया गया। मौके पर यह भी बताया गया कि वायरल वीडियो पुराना है। इसी दौरान भीड़ ने पुलिस चौकी में घुसकर आरोपी के साथ मारपीट की। इसके बाद हालात बिगड़ते चले गए और बवाल की स्थिति बन गई।

कई दुकानों और वाहनों को नुकसान पहुंचा

घटना के दौरान कई दुकानों और वाहनों को नुकसान पहुंचा है। टायर पंक्चर दुकान, इलेक्ट्रॉनिक दुकान, मोबाइल दुकान और टेलरिंग शॉप में तोड़फोड़ की गई। दो दुकानों में आगजनी भी की गई। इसके अलावा कई वाहनों को भी क्षतिग्रस्त किया गया। जानकारी के मुताबिक घटना के दौरान भीड़ अलग-अलग मोहल्लों में घूमती रही। बाजार बंद कराए गए और इसके बाद दुकानों में तोड़फोड़ की गई।

एसपी बोले- हालात नियंत्रण में, आरोपी पकड़ा गया

पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने बताया कि उपद्रव की सूचना मिलते ही पुलिस बल को तुरंत मौके पर भेजा गया। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। वहीं मोहदा थाना प्रभारी वी.के. मौर्य ने बताया कि जिस युवक पर आरोप है, उसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उन्होंने कहा कि मामला इतना बड़ा हो जाएगा, इसका अंदेशा नहीं था।

2500 की आबादी वाला गांव, पुलिस पहुंचने में लगी देर

दामजीपुरा गांव बैतूल जिला मुख्यालय से करीब 110 किमी दूर स्थित है। गांव की आबादी लगभग 2500 है, जिसमें 30 से 40 मुस्लिम परिवार रहते हैं। यहां राठौर और कोरकू समाज की बहुसंख्यक आबादी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बवाल सुबह ही शुरू हो गया था, लेकिन पुलिस बल को मौके पर पहुंचने में कुछ समय लग गया। पुलिस प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

मुलताई में आवारा कुत्तों ने 20 लोगों को काटा : बच्चों पर हमले बढ़े

गंभीर हालत में एडमिट ; सीएमओ बोले-दो दिन में होगी नसबंदी

मुलताई | संवाददाता
rashtrabaan.in

मुलताई में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या गंभीर चिंता का विषय बन गई है। शनिवार और रविवार को केवल दो ही दिन में नगर के विभिन्न क्षेत्रों में कुत्तों के हमलों में 20 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में बड़ी संख्या बच्चे हैं, जिससे नगरवासियों में भय और आक्रोश फैल गया है।

बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित

प्रत्यक्षदर्शियों और नागरिक नितिन पवार ने बताया कि कई स्थानों पर कुत्तों ने बच्चों को दौड़ाकर काटा। स्कूल जाने वाले और खेलने निकले बच्चे इन हमलों का आसान शिकार बने। एक नाबालिग बच्ची पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बैतूल जिला अस्पताल रेफर किया गया।

सिविल अस्पताल में इमरजेंसी तैयारी

इन घटनाओं के बाद सिविल अस्पताल में घायलों की संख्या में अचानक वृद्धि हुई। डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को अतिरिक्त व्यवस्था करनी पड़ी। सभी घायलों को एंटी-रेबीज़ इंजेक्शन लगाए गए। चिकित्सकों ने चेतावनी दी कि कुत्तों के काटने के बाद किसी भी लापरवाही को जानलेवा परिणाम हो सकते हैं।

नगर पालिका की लापरवाही पर नाराजगी

नगरवासियों का आरोप है कि यह स्थिति नगर पालिका की लापरवाही के कारण उत्पन्न हुई है। लंबे समय से आवारा कुत्तों की नसबंदी और पकड़-धकड़ अभियान प्रभावी ढंग से नहीं चलाया गया। कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।

सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने मांगी कार्रवाई

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से तत्काल विशेष अभियान चलाकर आवारा कुत्तों को पकड़ने और उनकी नसबंदी करने की मांग की है। संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। नगरवासियों का कहना है कि यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आमजन की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। नगर के सीएमओ वीरेंद्र तिवारी ने बताया कि टीम बुलाई जा रही है और दो दिन में टीम आकर कुत्तों की नसबंदी अभियान शुरू करेगी।

खेत में आग से डेढ़ लाख का नुकसान

मक्के की फसल, पशु चारा और सिंचाई पाइप जलकर खाक

मुलताई | संवाददाता
rashtrabaan.in

ग्राम खतेड़ाकला में रविवार दोपहर एक खेत में आग लगने से किसान बंशीलाल देशमुख को लगभग डेढ़ लाख रुपए का नुकसान हुआ है। इस घटना में उनकी मक्के की फसल, पशु चारा और सिंचाई पाइप जलकर नष्ट हो गए। यह घटना दोपहर करीब 1:30 बजे हुई। आग लगते ही खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। ड्राइवर राकेश पवार और गिरीश पिपले सहित फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और तत्परता से आग पर काबू पाया। इससे आसपास के खेतों में खड़ी अन्य फसलें सुरक्षित बच गईं।

पीड़ित किसान बंशीलाल देशमुख ने बताया कि इस आगजनी से उन्हें बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने खेतों में आग लगने की लगातार हो रही ऐसी घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। ग्रामीणों और किसानों ने प्रशासन से घटनास्थल का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन करने और प्रभावित किसान को उचित राहत व सहायता प्रदान करने की मांग की है।

53 वाहनों का एक दिन में बना चालान

दुर्घटनाओ से बचने के लिए सावधानी से चलाये वाहन-टीआई इवनाती

सारणी | संवाददाता
rashtrabaan.in

वाहनों को सावधानी से चलाने से दुर्घटनाओ से बचाव हो सकता है.अक्सर दुर्घटना लापरवाही के चलते होती है. उपरोक्त उदगार टीआई जयपाल इवनाती सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत वाहन चालकों को समझाईस देते हुए व्यक्त किये है.शनिवार को सारनी थाने के पुलिस बल ने जय स्तंभ चौक एवं गुणवत्त बाबा के पास वाहनों की चेकिंग कर 53 चालान बनाकर 17 हजार 300 रूपये जुर्माना वसुला है. टीआईश्री इवनाती ने कहा कि पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी एवं एसडीओपी प्रियंका करचाम के मार्गदर्शन मे सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत वाहनों की लगातार जांच कर चलानी कारवाही की है.उन्होंने कहा कि एक सप्ताह मे पुलिस ने 150 के आसपास वाहनों पर चालानी कारवाही की है. श्री इवनाती ने कहा कि वाहनों की चेंकिंग के दौरान लापरवाह चालकों के चालान काटे,बल्कि उन्हें जीवन की कीमत समझाते हुए यातायात नियमों के पालन की शपथ भी दिलाई। पुलिस टीम ने बगैर हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन चलाने वाले चालकों का चालान भी किया है.वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने मुख्य रूप से दोपहिया वाहनों पर हेलमेट न लगाने वाले और चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट का उपयोग न करने वालों को रोककर कार्रवाई की। टीआई श्री इवनाती ने कहा कि पुलिस का मुख्य उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना एवं दुर्घटनाओ मे कमी लाना है. उन्होंने कहा कि वाहन चालकों एवं जनता को सुरक्षित घर पहुंचाना है। श्री इवनाती ने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट आपकी सुरक्षा के लिए हैं.वाहन चलाते समय इस बात ध्यान रखना चाहिए.उन्होंने समझाया कि एक छोटी सी लापरवाही बड़ा रूप ले सकती है. चालानी करवाई में मुख्य रूप से टीआई जयपाल इवनाती, एसआई श्री गौर,एएसआई अनिल मौर्य.प्रधान आरक्षक सीलु.श्रीराम उइके एवं अन्य आरक्षक मौजूद थे

श्रीराम के अनन्य भक्त थे संत रविदास : यादव

संत रविदास जी की जयंती पर बांसपानी में हुआ मंडल स्तरीय आयोजन

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

पाढर मंडल के ग्राम बांसपानी स्थित बूथ क्रमांक 360 में मंडल स्तर पर संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। आयोजन वरिष्ठ भाजपा नेता बाबूलाल जौंजारे के निवास पर किया गया, जहां संत रविदास जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की गई और उन्हें नमन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष नन्दन यादव ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त थे। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए जीवनभर कार्य किया और समानता, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। संतों में गुरु रविदास जी का नाम श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता है।

जनपद सदस्य माधोराव नानकर ने कहा कि संत रविदास जी अपने गुरु रामानंद जी की प्रेरणा से श्रीराम भक्ति में लीन हुए। इस अवसर पर पूर्व मंडल उपाध्यक्ष भीमराव बामने, अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष दिनेश जावलकर, रतन भलाबी, मोहन जौंजारे, गणेश जौजारे, कमल धुर्वे, सुरेश जौंजारे, विनायक जोजारे, दुर्गा जौंजारे, तारा जौंजारे सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुरु घर टिकारी में मनाया गुरु रविदास जी का 649वां प्रकाश पर्व

बैतूल। गुरु घर टिकारी में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी का 649वां प्रकाश पर्व श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर गुरु सिंह सभा से ज्ञानी परमजीत सिंह ने शबद कीर्तन एवं गुरुवाणी का भावपूर्ण कीर्तन प्रस्तुत किया। कीर्तन के माध्यम से उन्होंने गुरु रविदास जी के जीवन, विचारों और शिक्षाओं को प्रस्तुत करते हुए मानवता, समानता, प्रेम, कर्म और भाईचारे का संदेश दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र गोले ने कहा कि गुरु रविदास जी 15वीं शताब्दी के भक्ति आंदोलन के महान कवि एवं समाज सुधारक थे। उन्होंने 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' के संदेश के माध्यम से सच्ची भक्ति, आंतरिक शुद्धता और सामाजिक समता का मार्ग दिखाया। जितेंद्र गोले ने गुरु रविदास जी के प्रसिद्ध दोहे 'ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन के अन्न। छोटे-बड़े सब सम बसें, रविदास रहे प्रसन्न' का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरु रविदास जी ने अपने विचारों से न्यायप्रिय, समतामूलक और भेदभाव मुक्त समाज की परिकल्पना की, जो आज भी प्रासंगिक है।

भारत को आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की ओर ले जाएगा

खंडेलवाल बोले- बजट अगले 10 साल की दिशा तय करेगा

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने केंद्र सरकार के बजट को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इसे विश्वास और विकास का बजट बताते हुए कहा कि यह बजट केवल एक वर्ष का नहीं, बल्कि अगले दस वर्षों के भारत की दिशा तय करेगा। खंडेलवाल ने कहा कि यह बजट देश को आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की ओर ले जाएगा।

खंडेलवाल ने बताया कि अब तक भारत में चिप का उत्पादन नहीं होता था, जबकि ताइवान, अमेरिका और चीन इस क्षेत्र में अग्रणी थे। इस बजट में सेमीकंडक्टर और रेयर अर्थ मेटल के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ठोस नींव रखी गई है, जिससे भारत तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनेगा।

लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी, टैक्स सिस्टम सरल होगा

उन्होंने कहा कि सरकार ने लॉजिस्टिक्स लागत घटाने, उद्योगों को दंड के बजाय सहूलियतें देने और टैक्स प्रणाली को सरल बनाने पर जोर दिया है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को स्वेच्छा से टैक्स भुगतान के लिए प्रोत्साहित करना है। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं। खंडेलवाल ने कहा कि भारत में सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध है, जिससे आने वाले वर्षों में देश विश्व का प्रमुख मेडिकल टूरिज्म हब बन सकता है।

टूरिज्म सर्किट से मिलेगी नई पहचान

इसके अतिरिक्त, टूरिज्म सर्किट और बुद्धिस्ट सर्किट के विकास से भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को नई ऊर्जा मिलेगी। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि रेल कॉरिडोर और इंडस्ट्रियल हब के माध्यम से मध्य प्रदेश को सीधा लाभ मिलेगा। केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही सहायता से प्रदेश का बजट और भी मजबूत होगा। खंडेलवाल ने अंत में कहा कि यह बजट केवल विकास का रोडमैप ही नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक के विश्वास को मजबूत करने वाला एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ है।

नायब तहसीलदार रीडर को 4 साल की कैद

2017 में किसान से रिश्वत मांगने पर एडीजे कोर्ट ने सुनाई सजा

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल में नायब तहसीलदार के रीडर यादवराव सूर्यवंशी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 13 के तहत चार साल के कारावास की सजा सुनाई गई है। यह फैसला आज (शनिवार) अदालत ने 8 नवंबर 2017 के चर्चित लोकायुक्त ट्रैप प्रकरण में सुनाया।

प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने यह फैसला सुनाया। अभियोजन पक्ष की ओर से एडीपीओ अभय सिंह ठाकुर ने मामले की पैरवी की, जिसमें डीपीओ एस.पी. वर्मा ने भी सहयोग किया। एडीपीओ अजीत सिंह ने आज हुई सजा की जानकारी दी।

पांच हजार रुपए रिश्वत मांगी थी

यह मामला सोहागपुर के किसान कैलाश अतुलकर से जुड़ा है। यादवराव सूर्यवंशी ने किसान से खेत का रिकॉर्ड दुरुस्त करने के लिए 5,000 रुपए की रिश्वत मांगी थी। किसान ने पहले ही 1,000 रुपए दे दिए थे। शेष 4,000 रुपए लेते हुए सूर्यवंशी को लोकायुक्त पुलिस ने 8 नवंबर 2017 को तहसील कार्यालय परिसर में रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। यह कार्रवाई लोकायुक्त डीएसपी नरेंद्र राठौर के नेतृत्व में टीआई वी.के. सिंह और निरीक्षक मयूरी गौर सहित 12 सदस्यीय टीम ने की थी। लंबी सुनवाई के बाद, अदालत ने आरोपी यादवराव सूर्यवंशी को दोषी पाया। उसे न्यायिक हिरासत में लेकर चार वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई। बचाव पक्ष के अधिवक्ता आकाश श्रीवास्तव ने बताया कि वे इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दायर करेंगे। अभियोजन पक्ष ने अदालत में पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किए, जिससे यह सिद्ध हुआ कि आरोपी ने रिश्वत की मांग की थी और उसे स्वीकार भी किया था।

राष्ट्रबाण
सिवनी, सोमवार 2 फरवरी 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

घोड़ी पर सवार विधायक

केवलारी से कांग्रेस विधायक ठाकुर रजनीश सिंह का अनोखा जनसंपर्क, वीडियो हुआ वायरल

● विधायक रजनीश सिंह का जनसम्पर्क अनोखे अंदाज में।

राजनीति में जनसंपर्क के कई तरीके देखे गए हैं, लेकिन जब कोई जनप्रतिनिधि परंपरा, संस्कृति और राजनीति का अनोखा संगम पेश कर दे, तो वह चर्चा का विषय बन जाता है। सिवनी जिले की केवलारी विधानसभा से कांग्रेस विधायक ठाकुर रजनीश सिंह इन दिनों अपने इसी अनोखे अंदाज़ के कारण सुर्खियों में हैं। गांव-गांव घोड़ी पर सवार होकर पहुंचना, ढोल-नगाड़ों की गूंज और लोगों से सीधा संवाद, उनका यह अंदाज़ अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

इस अनोखे जनसंपर्क का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर लोग इस वीडियो को शेयर कर रहे हैं और अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कोई इसे जनसंपर्क का नया तरीका बता रहा है तो कोई इसे ग्रामीण संस्कृति से जुड़ा सशक्त संदेश मान रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद विधायक रजनीश सिंह एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गए हैं।

पहले भी अपने अंदाज़ के लिए रहे हैं चर्चा में

यह पहली बार नहीं है जब विधायक ठाकुर रजनीश सिंह अपने अलग अंदाज़ के कारण सुर्खियों में आए हों। इससे पहले भी वे ग्रामीण क्षेत्रों में सीधे लोगों से संवाद, चौपालों में बैठकर समस्याएं सुनने और जमीनी स्तर पर सक्रियता के लिए पहचाने जाते रहे हैं। विधायक रजनीश सिंह का अहिरी नृत्य लोगो के बीच बेहद लोकप्रिय है। उनका कहना है कि जनप्रतिनिधि का असली दायित्व जनता के बीच रहकर उनकी बात सुनना और समाधान करना है। फिलहाल, केवलारी विधानसभा में चल रहा यह पांच दिवसीय जनसंपर्क अभियान और घोड़ी पर सवार विधायक का यह दृश्य लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है और राजनीतिक गलियारों में भी इसकी खूब चर्चा हो रही है।

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिले की केवलारी विधानसभा से कांग्रेस विधायक ठाकुर रजनीश सिंह इन दिनों अपने पांच दिवसीय जनसंपर्क अभियान के तहत क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर रहे हैं। इस दौरान उनका जनसंपर्क करने का अंदाज़ आम नेताओं से बिल्कुल अलग नजर आया। विधायक ठाकुर रजनीश सिंह ने अपने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जामुनपानी, झोला, भादूटोला पीपरदोन, तेंदूटोला, तुर्गा, कुम्हड़ा, देवझिर और अर्जुनझिर सहित कई गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं।

जनसंपर्क अभियान के दौरान एक गांव में समर्थकों द्वारा विधायक के स्वागत के लिए बिल्कुल अलग ही दृश्य देखने को मिला। ग्रामीणों और समर्थकों ने उनके आगमन को उत्सव का रूप देते हुए बारात की तर्ज पर पूरा आयोजन किया। ढोल-नगाड़े, पारंपरिक वाद्ययंत्र और बड़ी संख्या में समर्थकों की मौजूदगी में विधायक ठाकुर रजनीश सिंह घोड़ी पर सवार होकर गांव पहुंचे। यह दृश्य किसी राजसी या पारंपरिक आयोजन जैसा प्रतीत हो रहा था, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

रात में किया जनसंपर्क, ग्रामीणों से लिया फीडबैक

खास बात यह रही कि विधायक ने यह जनसंपर्क रात के समय किया। घोड़ी पर सवार विधायक जब गांव की गलियों से होकर गुजरे तो ग्रामीण बड़ी संख्या में अपने घरों से बाहर निकल आए। इसके बाद उन्होंने चौपाल लगाकर ग्रामीणों से बातचीत की, उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को जल्द समाधान के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने भी खुलकर सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याओं को विधायक के सामने रखा।

परंपरा और राजनीति का अनोखा मेल: विधायक रजनीश सिंह का यह अंदाज़ केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि क्षेत्र की परंपरा और सांस्कृतिक पहचान से भी जुड़ा हुआ नजर आया। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी घोड़ी और ढोल-नगाड़ों के साथ आगमन को सम्मान और उत्सव का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में विधायक का यह रूप ग्रामीणों को काफी भाया और लोगों ने इसे अपनेपन से जोड़ा।

दुष्कर्म के एक आरोपी और उसके भाईयों का शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया

अतिक्रमण हटाते प्रशासनिक अधिकारी।

लालबर्रा | संवाददाता
rashtrabaan.in

लालबर्रा तहसील अंतर्गत लालबर्रा नगर से सटे ग्राम अमोली में 31 जनवरी को शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को प्रशासन द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए हटाया गया। राजस्व विभाग, पुलिस विभाग एवं पंचायत विभाग की संयुक्त टीम द्वारा नियमानुसार कार्यवाही कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनावेदक नूरकलाम सहित 4 भाईयों द्वारा शासन से घर के लिए दी गई स्वामित्व की भूमि के अतिरिक्त शासकीय भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किया गया था। इस संबंध में प्रशासन को शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित विभागों द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई। मौके पर नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी, राजस्व निरीक्षक अशोक ऊईके, पटवारी गण, ग्राम पंचायत सचिव, पुलिस बल एवं कोटवार उपस्थित रहे।

जिनके घर के आसपास से प्रशासन की राजस्व, पुलिस, पंचायत विभाग की संयुक्त टीम ने शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया है। उनमें एक भाई ग्राम पंचायत अमोली वार्ड नंबर 2 का पंच है, तो एक भाई ने विगत अक्टूबर माह में मंडई मेले के दौरान एक मासूम नाबालिग युवती से 4 युवकों के साथ मिलकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। जिस पर लालबर्रा पुलिस ने 4 आरोपियों में 2 नाबालिग आरोपियों को बाल सुधार गृह न्यायालय भेजकर 2 बालिग आरोपियों का पैदल जुलूस निकाला था, जिसको लेकर लालबर्रा में भारी उबाल था। जहां अमोली ग्राम वासियों सहित क्षेत्रवासियों ने आरोपियों को फांसी की सजा देने एवं उनके घर पर बुलडोजर कार्रवाई करने की मांग की थी। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद राजस्व, पुलिस व पंचायत विभाग की संयुक्त टीम ने नूरकलाम कुरैशी वार्ड पंच एवं अय्यूब कुरैशी सामूहिक दुष्कर्म मामले में नाबालिग मासूम का देह नोचने वाला भेड़िया सहित उसके अन्य 2 भाईयों के मकान से सटे आसपास शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया गया है। चूंकि स्थानीय शिकायतकर्ताओं ने सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों को फांसी की सजा देने एवं इनके मकान पर बुलडोजर कार्रवाई कर मकान ध्वस्त करने की मांग की थी। प्रशासन ने आरोपी के मकान पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई नहीं की है किंतु स्वामित्व की भूमि के अतिरिक्त मकान के आसपास की शासकीय भूमि को अतिक्रमण के तहत सख्त कार्यवाही कर हटा दिया गया है। ग्राम वासियों ने बताया कि पंच व सामाजिक दुष्कर्म का आरोपी अनैतिक गतिविधियों में संलिप्त रहते हैं।

मोक्षधाम में गार्डन निर्माण कार्य का भूमिपूजन एवं चौपाल निर्माण कार्य का लोकार्पण

जनपद सदस्य व सरपंच ने किया

लालबर्रा | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के लालबर्रा जनपद पंचायत अंतर्गत 30 जनवरी 2026 को ग्राम पंचायत नगपुरा मोक्षधाम में गार्डन निर्माण कार्य का भूमिपूजन हरिशंकर बनवारी (मुन्ना बनवाले) जनपद सदस्य व अनिता डा जीवन लिल्हारे सरपंच के हस्ते गार्डन निर्माण कार्य स्थल पर, भूमिपूजन सूचना पटल के समीप दीपक प्रज्वलित कर कुमकुम अक्षत पुष्प जल अर्पित कर कुदाली चलाकर भूमिपूजन किया गया। मोक्षधाम में गार्डन का निर्माण कार्य जनपद सदस्य के 15वां वित्त आयोग के मद से 5.88 लाख रुपये की राशि से निर्माण किया जाना है।

तो वहीं चौपाल निर्माण कार्य का लोकार्पण भी हरिशंकर बनवारी जनपद सदस्य व अनीता जीवन लिल्हारे सरपंच के हस्ते चौपाल पर स्थापित महादेव भगवान भोलेशंकर की भव्य प्रतिमा पर अक्षत पुष्प कुमकुम अर्पित कर चौपाल निर्माण कार्य का लोकार्पण दोनों ही जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। चौपाल निर्माण कार्य जनपद सदस्य के 5वां वित्त आयोग के मद से 1.50 लाख रुपये की राशि से किया जा चुका है। तत्पश्चात कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद व अल्पाहार वितरण किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सचिव अभिषेक अवधिया, रोजगार सहायक विजय तरवरे, मेट- चंद्रभान गिरी गोस्वामी, ज्ञानी गिरी गोस्वामी, कारूलाल नगपुरे, संजय तरवरे, किशोर यादव, शैलेश ग्वालवंशी, संजय कंसरे,परसराम लिल्हारे, विजय लिल्हारे, प्रकाश चौहान व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस की रात हुई चोरी का किया खुलासा

आदेगांव पुलिस की गिरफ्त में शातिर चोर, सोना-चांदी के जेवरात बरामद

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

थाना आदेगांव अंतर्गत ग्राम केकड़ा में 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस की रात हुई चोरी की सनसनीखेज वारदात का आदेगांव पुलिस ने सफल खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में एक शातिर चोर को गिरफ्तार करते हुए चोरी गए सोने-चांदी के कीमती जेवरात बरामद किए हैं। यह संपूर्ण कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता के कुशल नेतृत्व में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अपूर्व भलावी के मार्गदर्शन में की गई।

पुलिस विभाग द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों को गंभीरता से लेते हुए लगातार सक्रियता के साथ कार्यवाही की जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप इस चोरी की घटना का शीघ्र ही पर्दाफाश संभव हो सका।

इस संबंध में प्रार्थी कौशल चौकसे, पिता स्वर्गीय नारायण प्रसाद चौकसे, उम्र 47 वर्ष, निवासी ग्राम केकड़ा थाना आदेगांव द्वारा दिनांक 27 जनवरी 2026 को थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रार्थी ने बताया कि वह दिनांक 24 जनवरी 2026 को एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने हेतु जबलपुर गया हुआ था। जब वह 27 जनवरी को अपने घर वापस लौटा तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था, घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था तथा अलमारी में रखे कीमती सोने-चांदी के जेवरात गायब थे।

प्रथम दृष्टया किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा ताला तोड़कर चोरी किया जाना प्रतीत होने पर प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना आदेगांव में अपराध क्रमांक 21/2026, धारा 331(4) एवं 305(क) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस की जांच और कार्रवाई

विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया, जहां से महत्वपूर्ण भौतिक साक्ष्य एकत्र किए गए। जांच के दौरान यह जानकारी सामने आई कि दिनांक 26 जनवरी 2026 की रात्रि को घटनास्थल के आसपास एक संदेही व्यक्ति देखा गया था। उक्त व्यक्ति के हुलिये के आधार पर पुलिस द्वारा संदिग्धों से पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान संदेही का हुलिया पूर्व में थाना आदेगांव के चोरी के मामलों में जेल जा चुके आरोपी शनिराम उर्फ बड्डू यादव से मेल खाने पर पुलिस का शक और गहरा गया। इसके बाद आरोपी की गिरफ्तारी हेतु मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपी शनिराम उर्फ बड्डू यादव को गनेशगंज क्षेत्र में देखा गया, जहां पुलिस द्वारा तस्दीक उपरांत उसे दस्तयाब किया गया। आरोपी से घटना के संबंध में सख्ती से पूछताछ की गई, जिसमें उसने चोरी की उक्त वारदात को स्वीकार कर लिया।

आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई संपत्ति उसके कब्जे से बरामद की गई। बरामद मशरूका में एक नग पीले रंग का सोने जैसा कमर का करधन, एक जोड़ी पायल, पांच चांदी के सिक्के, तीन नग बिछिया, एवं घटना में प्रयुक्त कपड़े शामिल हैं। मामले में संपूर्ण वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण कर आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे उपजेल लखनादौन निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने बताया की आरोपी शनिराम उर्फ बड्डू यादव पिता का नाम : बालकराम यादव उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम केकड़ा, थाना आदेगांव, जिला सिवनी के विरुद्ध पूर्व में भी चोरी से संबंधित अपराध पंजीबद्ध हैं, जिनमें अपराध क्रमांक 143/2025 एवं वर्तमान अपराध क्रमांक 21/2026 शामिल हैं। इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी उनि आशीष धुर्वे, सउनि रजनीकांत दुबे, सउनि राजेश सक्सेना, प्रधान आरक्षक 05 संतोष मर्सकोले, आरक्षक 516 ज्योतेश्वर धुर्वे एवं आरक्षक 439 संदीप उइके की सराहनीय भूमिका रही।

75 पुलिसकर्मियों की टीम ने 1 घंटे में खोजी 3 नाबालिग बालिकाएं

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

थाना चांगोटोला पुलिस की त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही से तीन नाबालिग बालिकाओं को मात्र एक घंटे के भीतर सकुशल ढूंढकर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। दिनांक 31 जनवरी 2026 को थाना चांगोटोला अंतर्गत ग्राम घंघरिया से ग्रामीणों एवं परिजनों द्वारा सूचना दी गई कि 6 वर्ष, 12 वर्ष एवं 13 वर्ष की तीन नाबालिग बालिकाएं अचानक लापता हो गई हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी चांगोटोला द्वारा तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया।

पुलिस अधीक्षक बालाघाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) परसवाड़ा के मार्गदर्शन में परसवाड़ा, लामता एवं चांगोटोला थानों की संयुक्त टीमें गठित की गईं। करीब 75 पुलिसकर्मियों द्वारा परिजनों और ग्रामीणों के सहयोग से सघन खोज अभियान चलाया गया। लगातार प्रयासों के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि तीनों बालिकाएं थाना लामता अंतर्गत चौकी चरेगांव के ग्राम सूरिया में मौजूद हैं, जो ग्राम घंघरिया से लगभग 35 किलोमीटर दूर है। सूचना मिलते ही एसडीओपी परसवाड़ा के नेतृत्व में पुलिस टीम परिजनों के साथ ग्राम सूरिया पहुंची, जहां तीनों बालिकाएं अपने दादा के घर सुरक्षित मिलीं।

राष्ट्रीय बजरंग दल ने रोका पशु तस्करी

पुलिस ने की कार्यवाही

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

शनिवार को बालाघाट के राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी के साथ लालबर्रा के ग्राम बकोड़ा में गौ वंश तस्करी के 5 पिकअप वाहन को रोककर 15 गौ वंश पशुओं की जान बचाई। इस अवसर पर राष्ट्रीय बजरंग दल के लगभग 15 साथी उपस्थित थे, जिन्होंने पुलिस विभाग को भी इसकी सूचना दी और मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस के द्वारा सभी वाहन को थाना लाया गया, पुलिस ने पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के दौरान मवेशी खरीदी बिक्री से जुड़े लोग थाना परिसर के आसपास व अंदर नजर आए।

गौ माता की रक्षा के लिए हम हमेशा लड़ते रहेंगे : संजय डोहरे

संजय डोहरे ने कहा, गौ माता की रक्षा के लिए हमेशा लड़ते रहेंगे। हम गौवंश की तस्करी करने वालों को कभी भी नहीं बख्शेंगे। हम, हमारी टीम हमेशा गौ वंश बचाने के लिए काम करते रहेंगे। गौवंश पर अत्याचार नहीं सहेंगे।

यह संबंध में प्रेस से चर्चा करते हुए राजा सौलाखे और राजा रजक ने बताया कि मध्यप्रदेश से गौ वंश तस्करी महाराष्ट्र की ओर हो रही है। जिसकी रोकथाम के लिए प्रयास किये जा रहे हैं और भविष्य में भी गौ वंश की रक्षा के लिए हमेशा हम तत्पर दिखाई देंगे।

इनका कहना है

बरघाट बाजार से पशु तस्करी की शिकायत लगातार आ रही थी और इस काम में हमारे हिंदू भाई भी जुड़े हुए हैं उनके द्वारा किया जा रहा कृत्य बहुत ही ज्यादा निंदनीय है। इनके सहयोग के बगैर पशु तस्करी संभव नहीं है। कुछ लोग उनके कंधे में बंदूक रखकर पशु तस्करी को अंजाम दे रहे हैं। इनको पूछने के बाद भी वे लोग उनका नाम नहीं बताते।

-सितेश ब्रम्हे, राष्ट्रीय जिला अध्यक्ष बालाघाट

मामला संज्ञान में आया है, 5 वाहनों में 15 नग मवेशियों को कत्लखाने ले जाया जा रहा था। वाहन चालक और पशु तस्करों पर कार्रवाई की जा रही है।

-सुनील चतुर्वेदी, थाना प्रभारी लालबर्रा

कम्प्यूटर वर्ल्ड
सेल्स एंड सर्विस
लैपटॉप, कम्प्यूटर, सी.सी.टी.वी कैमरा, होम थियेटर, प्रिंटर, लेमिनेशन, फोटो कॉपियर, नेटवर्किंग, प्रोजेक्टर, कॉर्टरेज रिफलिंग
संपूर्ण कम्प्यूटर ऐससरीज उपलब्ध
पुराने कम्प्यूटर व लैपटॉप उपलब्ध
संपर्क- बैनगंगा कॉम्प्लेक्स, बस स्टैंड, सिवनी, मो.न.-9302833332

ARPIT TVS
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे
7898723789
Infront of Reliance Petrol-pump, Jabalpur Road, Jyarat Naka, Seoni 480661 (M.P)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433